Bal Raksha Bharat

Also known as **Save the Children**

रक्षा बुलेटिन

नव वर्ष विशेष अंक

भारत भर में बच्चों के जीवन में व्यापक और सार्थक बदलाव

इस तिमाही की प्रमुख उपलब्धियाँ

1,77,484
बच्चों तक प्रभावी पहुँच

11
कार्यक्रमों का शुभारंभ अथवा विस्तार

20+
से अधिक राज्यों में सक्रिय उपस्थिति

5
कई नई रणनीतिक साझेदारियों की शुरुआत

*जुलाई से नवंबर 2025 तक

मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) का संदेश

नए वर्ष की शुरुआत में, रक्षा बुलेटिन का यह अंक हमारे कार्यों के विस्तार और स्पष्ट प्रभाव को दर्शाता है। 20 से अधिक राज्यों में 1.77 लाख से ज्यादा बच्चों तक पहुँच बनाते हुए, बाल रक्षा भारत शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, बाल संरक्षण, आपदा तैयारी और आजीविका जैसे क्षेत्रों में बच्चों के लिए और बच्चों के साथ मिलकर समन्वित समाधान के प्रयासों को लगातार मज़बूत कर रहा है।

प्रमुख संस्थानों, कॉर्पोरेट जगत और सरकारी साझेदारों के साथ हमारी रणनीतिक साझेदारियों से हम तकनीक, नवाचार और तथ्यों का उपयोग कर बड़े स्तर पर स्थायी और प्रभावी परिणाम दे पा रहे हैं।

हमारे लचीलापन आधारित मॉडलों को मिली राष्ट्रीय पहचान और हमारे फील्ड टीमों की निष्ठा यह साबित करती है कि सबसे अधिक वंचित बच्चों के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता अडिग है।

आगे बढ़ते हुए, हमारी प्राथमिकता यही रहेगी कि सफल कार्य-प्रणालियों का विस्तार किया जाए, समुदायों, सरकार और कॉर्पोरेट साझेदारों के साथ सहयोग को और गहरा किया जाए, तथा जवाबदेही और स्थायित्व सुनिश्चित किया जाए—ताकि विकास का लाभ स्थायी बदलाव में बदले और हर बच्चा सुरक्षित रह सके, सीख सके और आगे बढ़ सके।

शांतनु चक्रवर्ती
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
बाल रक्षा भारत

परिवर्तन को दिशा देने वाली तिमाही

यह तिमाही केवल कार्यक्रमों के विस्तार तक सीमित न रहकर, प्रणालीगत स्तर पर प्रभाव उत्पन्न करने वाली रही। बाल रक्षा भारत ने तकनीक आधारित साझेदारियों, प्रमाणित एवं टिकाऊ मॉडलों तथा विषय-विशेष हस्तक्षेपों के माध्यम से देशभर में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज की। इन प्रयासों से सबसे अधिक वंचित बच्चों के जीवन में मापने योग्य और सकारात्मक परिवर्तन सुनिश्चित हुए।

रणनीतिक साझेदारियाँ एवं सम्मान

सामाजिक प्रभाव हेतु तकनीक का उपयोग
IIT मंडी iHub एवं HCL फाउंडेशन के साथ पाँच वर्षीय साझेदारी के माध्यम से बाल रक्षा भारत नवाचार, डेटा और डिजिटल समाधानों को अपने बाल-कल्याण कार्यक्रमों से एकीकृत करेगा। इससे कार्यक्रमों के प्रभावी विस्तार, बेहतर प्रबंधन तथा साक्ष्य-आधारित निर्णय-प्रक्रिया को बल मिलेगा।

कॉर्पोरेट एवं संस्थागत सहभागिता

जम्मू-कश्मीर में माननीय मंत्री सुश्री सकीना इत्तू द्वारा बाल रक्षा भारत को शैक्षिक नेतृत्व पुरस्कार प्रदान किया गया।
सोशल मीडिया पोस्ट देखने के लिए यहाँ क्लिक करें

20–22 नवंबर 2025 को रुड़की में आयोजित One Health One World चौथे अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता।
सोशल मीडिया पोस्ट देखने के लिए यहाँ क्लिक करें

गोवा में आयोजित IISSM के 35वें ग्लोबल कॉन्क्लेव में भागीदारी, जहाँ सुरक्षा, लचीलापन एवं स्थिरता पर विचार-विमर्श हुआ।
सोशल मीडिया पोस्ट देखने के लिए यहाँ क्लिक करें

इस तिमाही में Kenvue, Jaquar Group, HCLTech Foundation, Salesforce, Balmer & Lawrie, Shahi Exports तथा विभिन्न सरकारी संस्थानों के साथ सहयोग को और सुदृढ़ किया गया, जिससे CSR निवेश को दीर्घकालिक और प्रभावी परिणामों से जोड़ा जा सके।
सोशल मीडिया पोस्ट देखने के लिए यहाँ क्लिक करें

राष्ट्रीय पहचान
BVokal Collaborative CSR Award 2025 (Model Resilient Village Initiative) के माध्यम से बाल रक्षा भारत की समग्र और बड़े स्तर पर समाधान देने की क्षमता को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हुई।
सोशल मीडिया पोस्ट देखने के लिए यहाँ क्लिक करें

फील्ड-स्तरीय उत्कृष्टता
दिल्ली की संजय कॉलोनी MAC से सुश्री कमला ओझा को India Childcare Champion Awards 2025में बाल देखभाल चैम्पियन के रूप में सम्मानित किया गया।
सोशल मीडिया पोस्ट देखने के लिए यहाँ क्लिक करें

कार्यक्रमों का प्रभाव

शिक्षा

3,350+

वंचित समुदायों के 3,350 से अधिक बच्चों तक उपचारात्मक शिक्षा और आत्मविश्वास विकास कार्यक्रमों के माध्यम से पहुँच।

71

19 राज्यों में 71 लर्निंग सेंटर स्थापित।

बाल-केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण (CCDRR)

11,400+

से अधिक लोगों को आपदा तैयारी एवं सुरक्षा संबंधी जानकारी प्रदान की गई।

200

200 परिवारों के लिए तैयारी योजनाएँ एवं सामुदायिक सुरक्षा ढाँचे विकसित किए गए।

आपदा-प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित राहत सहायता।

स्वास्थ्य, पोषण एवं रोकथाम

मजबूत सामुदायिक सहभागिता के साथ किफायती एवं निवारक स्वास्थ्य मॉडल का प्रदर्शन।

FSSAI के Eat Right School Program के अंतर्गत 500 सरकारी विद्यालय प्रमाणित।

मोबाइल हेल्थ यूनिट के माध्यम से फरीदाबाद और बेंगलुरु में 2,000 से अधिक लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ।

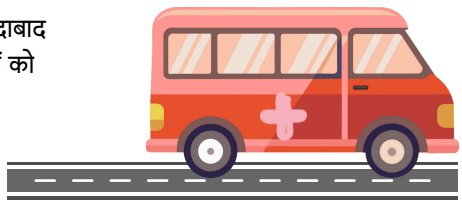

Kenvue एवं उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से सखी पहल का शुभारंभ—किशोरियों की माहवारी स्वच्छता एवं शिक्षा को सशक्त करने हेतु।

श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, मध्य प्रदेश शासन, ने **19 नवंबर 2025 को रायसेन, मध्य प्रदेश में आयोजित ईट राइट मेला** की शोभा बढ़ाई।

मिलकर, बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण...

कश्मीर में Breath of Life: हर बच्चे को साँस लेने, जीने और आगे बढ़ने का अवसर

कश्मीर के संवेदनशील जिलों में बच्चों के लिए निमोनिया की रोकथाम, समय पर पहचान और इलाज को सशक्त बनाया गया।

Breath of Life पहल के तहत, बाल रक्षा भारत ने कश्मीर के प्रमुख जिलों में **SAANS अभियान** का समर्थन किया, जो बच्चों में होने वाले निमोनिया—एक प्रमुख जानलेवा बीमारी—से लड़ने पर केंद्रित है। जिला प्रशासन, स्वास्थ्य प्रणाली और फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर, समय पर जांच, इलाज और रेफरल व्यवस्था को मज़बूत किया गया।रैलियों, स्कूल कार्यक्रमों, घर-घर संपर्क और मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयों के माध्यम से समुदायों को जागरूक किया गया, जिससे अभिभावक समय रहते बीमारी के लक्षण पहचानकर इलाज करा सकें—खासकर दूरदराज़ क्षेत्रों में।

यह जीवनरक्षक प्रयास **हरिश और बीना शाह फाउंडेशन** के सहयोग से संभव हो सका, जिनकी साझेदारी ने स्वास्थ्य प्रणालियों को सशक्त किया और समुदाय आधारित, टिकाऊ समाधान विकसित किए।

20,000+ बच्चों और **4,500+ वयस्कों** तक प्रत्यक्ष रूप से पहुँचा

जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से 10,000+ समुदाय सदस्यों तक पहुँच

राष्ट्रीय एवं वैश्विक प्रोटोकॉल के अनुरूप जांच, टीकाकरण और फ्रंटलाइन क्षमता में सुधार

ऐसे स्कूल जहाँ बच्चे खुशी से सीखते हैं

एक नज़र में प्रभाव: 5 बड़े शहरों में 12,000+ बच्चे अब सुरक्षित, स्मार्ट और आकर्षक स्कूलों में पढ़ रहे हैं।

- बाल रक्षा भारत का मानना है कि आनंदमय शिक्षा की शुरुआत प्रेरणादायक माहौल से होती है। **BLES (Building Learning Environment in Schools)** पहल के तहत, **CBRE** के सहयोग से बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, कोलकाता और मुंबई के 35+ सरकारी स्कूलों में सीखने के माहौल को बदला जा रहा है।
- **NEP 2020** के अनुरूप, कक्षाओं को बाल-अनुकूल डिज़ाइन, थीम आधारित लर्निंग ज़ोन और स्मार्ट क्लासरूम से सुसज्जित किया गया है। शिक्षकों, अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन समितियों की सक्रिय भागीदारी से यह पहल बुनियादी ढाँचे से आगे बढ़कर बच्चों में सुरक्षा, जिज्ञासा और आत्मविश्वास का निर्माण कर रही है।
- **CBRE के साथ मिलकर**, हम केवल कक्षाएँ नहीं—बल्कि उम्मीद, आत्मविश्वास और भविष्य गढ़ रहे हैं।

तमिलनाडु के ADW स्कूलों में बदलाव: आत्मविश्वास जगाती शिक्षा

- एक नज़र में प्रभाव: तमिलनाडु के कडलूर ज़िले में 46 ADW स्कूलों को सशक्त किया गया।
- पिछले पाँच वर्षों से SUN TV और बाल रक्षा भारत की साझेदारी शिक्षा को ईंट-पत्थर से आगे ले जाकर जीवन बदल रही है। वर्ष 2020–21 से, तमिलनाडु के कडलूर ज़िले में 46 आदि द्रविड़ कल्याण (ADW) स्कूलों को सशक्त किया गया है।
- इस समग्र पहल में स्मार्ट कक्षाएँ, स्वच्छ पेयजल व शौचालय सुविधाएँ, शिक्षण सामग्री, खेल उपकरण और शिक्षकों की क्षमता वृद्धि शामिल है—ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास और कल्याण सुनिश्चित हो सके। ये सुरक्षित और बाल-अनुकूल स्कूल समुदाय का विश्वास बहाल कर रहे हैं और बच्चों के लिए नए अवसरों के द्वार खोल रहे हैं।

SUN TV की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता से सशक्त यह साझेदारी दर्शाती है कि स्थायी सहयोग कैसे शिक्षा को बदल सकता है और बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बना सकता है।

प्रमुख अभियान एवं आयोजन

असम के चाय बागानों में गरिमा, पहुँच और नेतृत्व
मासिक धर्म सपनों को नहीं रोक सकता...
प्रोजेक्ट सखी के माध्यम से असम के ओटिंग और सोटाई चाय बागानों की लड़कियों और महिलाओं को अब सुरक्षित मासिक स्वच्छता सुविधाओं और जागरूकता तक पहुँच प्राप्त हो रही है।

पोषण माह: स्वस्थ पोषण प्रथाओं के प्रति समुदायों को जागरूक करने के उद्देश्य से 'एक पेड़ माँ के नाम' राष्ट्रीय अभियान के साथ-साथ विभिन्न स्थानों पर 16,500+ बच्चों, अभिभावकों एवं हितधारकों तक पहुँच बनाई गई।

बाल रक्षा भारत ने नयारा एनर्जी के सहयोग से राजस्थान के पाली ज़िले के चोटिला और बिठू में प्रेरणा उत्सव का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से 600 से अधिक समुदाय सदस्यों को बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कौशल विकास और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ा गया।

बच्चों के साथ और उनके लिए सशक्त क्षमता का निर्माण करते हुए, उनके सपनों को गति देने के उद्देश्य से #बेंगलुरु के वंचित समुदायों से जुड़े 13 युवा चैंपियनों को एक संवाद मंच के माध्यम से कर्नाटक राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (KSCPCR) तथा कर्नाटक सरकार के अधिकारियों के साथ जोड़ा गया।

वैश्विक हाथ धुलाई दिवस: देशभर में 10,500+ प्रतिभागियों की सहभागिता सुनिश्चित की गई।

प्रभाव की कहानियाँ / असरदार कहानियाँ

सुभीति की कहानी | शिक्षा

उत्तर प्रदेश की 15 वर्षीय सुभीति, Honda Ki Pathshala से जुड़ने के बाद पढ़ाई में सुधार और आत्मविश्वास के साथ निरंतर प्रगति कर रही हैं।

संदेश: सही मार्गदर्शन और निरंतर सहयोग से बच्चों की क्षमता निखरती है।

गौरव की कहानी | आजीविका

दिल्ली के 19 वर्षीय गौरव ने बदरपुर स्थित Centre of Excellence में प्रशिक्षण प्राप्त कर JW Marriott, दिल्ली में ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग शुरू की। वर्तमान में उन्हें ₹5,000 मासिक स्टाइपेंड प्राप्त हो रहा है।

गौरव कहते हैं: "इस प्रशिक्षण ने मुझे आत्मविश्वास और भविष्य गढ़ने का अवसर दिया।"

आगे की दिशा

आगामी अवधि में बाल रक्षा भारत का फोकस:

- सफल मॉडलों का विस्तार
- कॉर्पोरेट एवं संस्थागत साझेदारियों को मजबूत करना
- तकनीक के माध्यम से प्रभाव का आकलन
- शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और बाल संरक्षण में स्थायी परिवर्तन सुनिश्चित करना

हमारे साथ जुड़ें: आइए, मिलकर बच्चों के जीवन में दीर्घकालिक और सकारात्मक बदलाव लाएँ।
साझेदारी हेतु बाल रक्षा भारत की PARTNERSHIPS & CSR ENGAGEMENT TEAM से संपर्क करें।

एक साथ मिलकर बच्चों का बेहतर भविष्य बनाएँ

जब हम 2026 का स्वागत कर रहे हैं, तो हम उन भविष्य की ओर देखते हैं जो करुणा, प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयास से आकार ले रहे हैं।

आपके सहयोग ने बच्चों को हिंसा और शोषण से सुरक्षित रखने, कक्षाओं को चालू रखने और यह सुनिश्चित करने में मदद की है कि सबसे अधिक हाशिए पर रहने वाले बच्चे भी देखे जाएँ, सुने जाएँ और उन्हें आवश्यक सहयोग मिले। मिलकर, हमने बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने वाली व्यवस्थाओं को मजबूत किया है और शिक्षा, सुरक्षा व अवसर की राहें तैयार की हैं।

फिर भी, लाखों बच्चों के लिए नया साल आज भी अनिश्चितता के साथ शुरू होता है—असुरक्षित वातावरण, बाधित शिक्षा, कुपोषण और देखभाल तक सीमित पहुँच उनके कल्याण और संभावनाओं को लगातार खतरे में डाल रहे हैं।
इस नए साल में, आपका सहयोग किसी बच्चे की कहानी बदल सकता है। सिर्फ बेहतर दुनिया की कामना न करें—उस बच्चे के लिए उसे बनाने में हाथ बँटाएँ जिसे इसकी तुरंत ज़रूरत है।

आज ही दान करें। क्योंकि बचपन इंतज़ार नहीं कर सकता।

कृपया वह राशि चुनें जो आप योगदान देना चाहते हैं:

मासिक दान:

₹ 800

एक बच्चे को निरंतर शिक्षा सहायता प्रदान करने में मदद कर सकता है

₹ 1,200

एक बच्चे को निरंतर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने में मदद कर सकता है

₹ 1,600

दो बच्चों को निरंतर शिक्षा सहायता प्रदान करने में मदद कर सकता है

₹ 2,400

दो बच्चों को निरंतर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने में मदद कर सकता है

दान करने के लिए यहाँ क्लिक करें